**Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,**
**Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2024: 8.058,**
https://www.srjis.com/issues_data/240
PEER REVIEWED, REFEREED & INDEXED JOURNAL, OCT-NOV 2024, VOL-12/66

# भारतीय अर्थव्यवस्था के उत्थान में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की भूमिका (उ0 प्र0 के जनपद मेरठ के विशेष संदर्भ में)

**डॉ भूपेन्द्र कुमार**

*एसोसिएट प्रोफेसर– अर्थशास्त्र, वी0 वी0 (पी0 जी0) कॉलेज शामली, उ0 प्र0*

**Paper Received On**: 21 October 2024

**Peer Reviewed On**: 25 November 2024

**Published On:** 01 December 2024

**Abstract**

*भारतीय अर्थव्यवस्था के उत्थान एवं बेरोजगारी की समस्या को हल करने अथवा कम करने के लिये भारत सरकार ने सम्पूर्ण राष्ट्र में शिक्षित बेरोजगारी उन्मूलन हेतु **''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना''** का शुभारम्भ एवं क्रियान्वयन 15 जुलाई 2015 से, अन्तर्राष्ट्री युवा कौशल दिवस पर कौशल विकास एंव उद्यमता मंत्रालय के माध्यम से किया गया। परन्तु शासन को प्रस्तुत योजना के माध्यम से शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगारों के विभिन्न संसाधनों के सृजन द्वारा रोजगार स्थापित करने सम्बन्धी सफलता की प्राप्ति किस सीमा तक हुई है अथवा नहीं, यह स्पष्ट नहीं कहा जा सकता।ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण कार्य अनर्ह और कम वेतन पर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों द्वारा, प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण केन्द्रों पर, आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री आदि के नितान्त अभाव में प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। फिर भी यह योजना सार्थक सिद्ध हुई है।*

***पारिभाषिक शब्दावलीः*** *कौशल कवकास योजना, अर्थव्यवस्था, आर्थिक विकास, बेरोजगारी उन्मूलन।*

**शोध पद्धति** : शोध की प्रकृति एवं अध्ययन के उद्देश्यों की दृष्टि से वर्णनाात्मक शोध अभिकल्प को चुना गया है। उद्देश्य पूर्ति हेतु 50 निदर्शितों का चयन मेरठ जनपद (उ0 प्र0) से किया गया है।

**उद्देश्यः** (1) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से होन वाले आर्थिक विकास के प्रति लाभार्थियों के दृष्टिकोणों का अध्ययन करना।

(2) प्रति परिवार तथा प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि का विश्लेषण तथा मूल्यांकन करना।

(3) ग्रामीण निर्बल वर्गों के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की भूमिका का मूल्यांकन करना।

**परिकल्पनायेंः**

(1) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत वित्तीयन प्रणाली सहज तथा सरल है।

(2) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना भारतीय अर्थव्यवस्था के उत्थान में सहायक हैं।

*Copyright@2024 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language*

(3) ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अहम भूमिका का निर्वाह कर रहीं है।

**अध्ययन की सीमायें :**

प्रस्तुत शोध अध्ययन की सम्भावित सीमायें निम्नवत् हैं –

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन उ0 प्र0 के जनपद मेरठ के ग्रामीण अंचल तक ही सीमित है।
2. शोध अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष पूर्ण रूपेण सर्वेक्षित तथ्यों पर आधरित होंगे।

**विश्लेषणः** प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत ऋण एजेन्सियॉ ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने में कई प्रकार की अनुदान राशियॉं प्रदान कर रही हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की वित्तीय भूमिका के प्रति निदर्शितों के प्रत्युत्तर निम्नवत हैं – (सूचनादाताओं से पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का विवरण)

1. ‘‘क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से लाभान्वित होने से वित्तीय सुदृढ़ीकरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है ?’’

| क0 | प्रत्युत्तर | आवृतियॉं | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | हॉं | 48 | 96.00 |
| 2 | नहीं | 00 | 00.00 |
| 3 | उदासीन | 02 | 04.00 |
| | | 50 | 100.00 |

2‘‘क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से लाभान्वित होने से नई तकनीकें विकसित हुई है ?’’

| क0 | प्रत्युत्तर | आवृतियॉं | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | हॉं | 45 | 90.00 |
| 2 | नहीं | 01 | 02.00 |
| 3 | उदासीन | 04 | 08.00 |
| | | 50 | 100.00 |

3. ‘‘क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से लाभान्वित होने से अतिरिक्त रोजगारों के साधन सृजित हुए हैं ?’’

| क0 | प्रत्युत्तर | आवृतियॉं | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | हॉं | 47 | 94.00 |
| 2 | नहीं | 02 | 04.00 |
| 3 | उदासीन | 01 | 02.00 |
| | | 50 | 100.00 |

उपरोक्त तालिका 1,2 एवं 3 के प्राथमिक तथ्यों से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से लाभान्वित होने से कृषि भू–विन्यास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, नये रोजगार विकसित हुए है एवं अतिरिक्त रोजगारों के साधन सृजित हुए हैं।

4. ''क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के किगयान्वयन से अतिरिक्त रोजगारों के सृजन हो जाने से आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है?''

| क0 | प्रत्युत्तर | आवृतियाँ | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | हाँ | 45 | 90.00 |
| 2 | नहीं | 02 | 04.00 |
| 3 | उदासीन | 03 | 06.00 |
| | | 50 | 100.00 |

प्रस्तुत तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट है कि क्या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से लाभान्वित होने से ग्रामीणें की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

**निष्कर्षः ''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना''** के माध्यम से देश का विकास एंव बेरोजगारी उन्मूलन की संकल्पना के साथ, व्यापक स्तर पर केन्द्र सरकार द्वारा प्रशिक्षण प्ररम्भ किया गया है। इस संदर्भ में किसी भी स्तर पर कोई भी शोध कार्य वर्तमान समय तक सम्पादित नहीं हुआ है। आर्थिक विकास के संदर्भ में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत अनुदानित ऋण किस्तों पर लेने के पक्ष में हैं। ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण कार्य अनर्ह और कम वेतन पर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों द्वारा, प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण केन्द्रों पर, आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री आदि के नितान्त अभाव में प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। अतः प्रशिक्षण केन्द्रों कठोर नियंत्रण आवश्यक है।

इससे यह स्पष्ट होता है कि मेरठ जनपद की ग्रामीण बैंकें, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत अनुदान राशि निर्गत कर, निर्बल वर्गों विशेषतः अनुसूचित जातियों के सामाजिक–आर्थिक विकास में अहम भूमिका निर्वाह कर रही हैं। ऐसा सभी लाभार्थी सूचनादाताओं ने स्वीकार भी किया है। कि कृषि संरचना में परिवर्तन होने से कृषि तकनीक काफी अधिक वैज्ञानिक हुई है। इन समस्त प्राथमिक तथ्यों के प्रकाश में निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि– ''कृषि संरचना में परिवर्तन होने से कृषकों की तकनीक वैज्ञानिक हुई है जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होना स्वाभाविक ही है।'' अर्थात् ''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की वित्तीय भूमिका'' निर्बल वर्गों के विकास में रचनात्मक भूमिका निभा रही है। अतः परिकल्पनायें सत्य एवं सार्थक हैं।

**संदर्भ**


शर्मा डी. के. (2019) भारत में आर्थिक नियोजन, विवेक प्रकाशन, जवाहर नगर, नई दिल्ली

ओसवाल पी0सी0; (2018) भूमिहीन श्रमिकों की आर्थिक समस्याएं, जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर (आई0सी0ए0आर0), नई दिल्ली

द्विवेदी के.डी.; 2018) विकास का अर्थ–शास्त्र,बी0एच0यू0 वाराणसी ।

भाटिया,जे.डी. (2018) नियम पुस्तिका (यथा संशोधित और 1.4.91 से लागू) भारत सरकार, कृषि मन्त्रालय,ग्रामीण विकास विभाग,नई दिल्ली।

राजपूत ओ. पी. (2018) ग्राम्य विकास कार्यक्रमों की मार्ग–निर्देशिका, लखनऊ ग्राम्य विकास विभाग,(उ0प्र0) शासन, लखनऊ ।

सिंह डी. पी. ;(2017) आई.आर.डी.पी.– ऐन इवेलुएशन, इण्डियन जर्नल ऑफ रूरल डबलपमेन्ट, ''वित्तीय शोध'' वाल्यूम 28 नं. 78, 2017 पृ.38

रॉय हिमांशु (2016) सक्सेज आफ रूरल इकोनोमिक डवलपमेंट – मिथ ऑर रियलिटी, एक्सिस प्रकाशन नई दिल्ली; 2016:102

मोदी जी.एस. (2015) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का बेरोजगारी उन्मूलन में योगदान ,राखी प्रकाशन आगरा; 2015:114


Copyright@2024 Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language